स्पेशलाइज्ड सिलाई मशीन ऑपरेटर

रेफ आई.डी.: ए.एम.एच / क्यू2301

योग्यता पैक

अपैरल, मेडअप्स
और होम फर्निशिंग

कक्षा

11वीं एवं 12वीं

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक घटक इकाई, के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार), श्यालता हिल्स, भोपाल – 462002 (म.प्र.)
www.psscive.ac.in

व्यावसायिक शिक्षा

भारत में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी), अनौपचारिक और गैर–औपचारिक क्षेत्रों के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। वीईटी विभिन्न टार्गेट ग्रुप्स और शिक्षार्थियों की कौशल आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न रूपों में प्रदान किया जाता है। विभिन्न मंत्रालयों में से केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमओएसडीई) तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय (एमओई) कौशल विकास योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी हैं। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से तैयार किए गए वीईटी प्रावधान स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, जन शिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान के माध्यम से प्रदान की जाने वाली व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। शिक्षार्थियों की विभिन्न प्रोफेशनल आकांक्षाओं और शैक्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के व्यवस्थित अधिग्रहण के लिए स्कूल जरूरी वातावरण प्रदान करते हैं। स्कूली शिक्षा आधारित व्यावसायिक ज्ञान विभिन्न नौकरियों की एन्ट्री–लेवल (प्रवेशात्मक स्तर) जरूरतों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करता है।

व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न सैद्धांतिक विषयों एवं पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। इनका उद्देश्य छात्रों के उन मूलभूत ज्ञान, कौशल एवं स्वभावगत विशेषताओं का विकास करना हैं जो उन्हें स्किल्ड पशेवर या व्यवसायी बनने में सहायता करेंगे। व्यावसायिक शिक्षा को समग्र शिक्षा (स्कूली शिक्षा की एक इन्टीग्रेटेड शिक्षा) के अंतर्गत लागू किया गया है।

श्रम बाजार की बढ़ती मांगों को पूरा करने और कुशल जनशक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (वीईटी) के लिए मान्यता प्राप्त है। वीईटी विशिष्ट जॉब रोल्स पर केंद्रित है और इस तरह का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करता है, जो व्यक्तियों को विशिष्ट व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न होने के लिए सशक्त करता है। यह न केवल व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उद्योगों में उत्पादकता बढ़ाने में भी मदद करता है।

व्यावसायिक विषयों को 2012 में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की संशोधित योजना के तहत पेश किया गया था। इसमें ग्रेड 9 से 12 (4 वर्षीय पैटर्न) में एक जॉबलरोल को पढ़ाया गया था। इस योजना को 2018 में समग्र शिखा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के साथ समग्र शिक्षा में शामिल किया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 (एनईपी–2020) में व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। एनईपी–2020 में उचित सामाजिक स्थिति प्रदान करने और सामान्य शिक्षा के साथ व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक प्रणाली विकसित करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा की पुनर्कल्पना (री–इमेजिंग) की गई है।

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग (एएमएचएफ) सेक्टर के बारे

अपैरल, मेड–अप्स और होम फर्निशिंग सेक्टर हमारे देश में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह विभिन्न तैयार उत्पादों का कच्चे माल से उत्पादन करते हैं। इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, पैटर्न, कटिंग, सिलाई, परिधान, मेड–अप और होम फर्निशिंग आइटम की फिनिशिंग और सजावट से संबंधित गतिविधियां शामिल हैं।

वस्त्र/परिधान उत्पाद विकास योजना के चरणों से होकर गुजरता है और प्रत्येक चरण में गुणवत्ता नियंत्रण के साथ निष्पादन होता है।

- नियोजन में डिजाइनिंग, लक्ष्य ग्राहक की पहचान, लागत अनुमान आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं।
- निष्पादन में काटना, सिलाई, फिनिशिंग, पैकिंग आदि शामिल हैं।
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- उत्पादों में परिधान, मेड–अप, होम फर्निशिंग और सामान शामिल हैं।

अर्थव्यवस्था में एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

टॅक्सटाइल व अपैरल उद्योग भारत में दूसरा सबसे बड़ा रोजगार का माध्यम है। भारत न केवल कपास, जूट व सिल्क के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है बल्कि इस उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार देने की भी क्षमता है। इन उद्योगों में लगने वाले मैन पावर की ट्रेनिंग एएमएचएफ सेक्टर के विभिन्न जॉब रोल्स के माध्यम से की जाती है।

उपर्युक्त चित्र भारत के विकास में एएमएचएफ क्षेत्र के योगदान को दर्शाता है। एएमएचएफ ने न केवल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में योगदान दिया है, बल्कि निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा दिया है। यह क्षेत्र देश में रोजगार सृजन में युवाओं के विकास और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

एएमएचएफ क्षेत्र का योगदान

परिधान उद्योग के घटक

एएमएचएफ क्षेत्र को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया जा सकता है:

- फाइबर टू फैब्रिक (कपड़ा उद्योग)
- फैब्रिक टू प्रोडक्ट (परिधान उद्योग)

एएमएचएफ क्षेत्र में कपड़ा उद्योग में फाइबर को धागे या कपड़े (नॉन वोवन) और धागे को कपड़े (वॉवन/निटेड कपड़ा) में बदलना शामिल है। कपड़े को रंगाई, छपाई, कढ़ाई, अलंकरण और परिष्करण तकनीकी का उपयोग करके सुंदर बनाया जाता है।

उपर्युक्त तरीके से कपड़ा बनाने के बाद कपड़ा उद्योग में इस कपड़े से तैयार परिधान, होम फर्निशिंग वस्तुऐं और एसेसरीस आदि बनाए जाते हैं।

एएमएचएफ से जुड़े अन्य उद्योग हैं:

परिधान उद्योग बहुत ही विस्तृत है तथा इसमें विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जाता है। यह एक डिजाइन विचार से शुरू होता है और परिधान तैयार होकर ग्राहक तक पहुंचने पर खत्म होता है। ये प्रक्रियाएं एक परिधान उद्योग के विभिन्न विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं। प्रत्येक विभाग एक विशिष्ट कार्य के लिए जिम्मेदार होता है और सभी विभागों का उद्देश्य उचित लागत और समय के भीतर अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना होता है। विभिन्न विभाग इस प्रकार हैं–

- मर्चेंडाइजिंग विभाग
- स्टोर विभाग
- कटिंग विभाग
- सिलाई विभाग
- धुलाई विभाग
- परिष्करण और पैकिंग विभाग
- गुणवत्ता नियंत्रण और निरीक्षण।
- रखरखाव विभाग
- वित्त और लेखा विभाग
- प्रशासन विभाग

जॉब रोल के बारे में

अपैरल मेड–अप्स होम फर्निशिंग क्षेत्र में विभिन्न जॉब रोल हैं जिन्हें कोई भी अपने पेशे के रूप में चुन सकता है और अपने कौशल को बढ़ा सकता है। यह क्षेत्र उभरते उम्मीदवारों को नौकरी के कई अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है। इसमें परिधान उद्योग से संबंधित सभी नौकरियां जैसे पैटर्न मास्टर, स्व–नियोजित दर्जी, हाथ कढ़ाई आदि और स्व–स्वामित्व वाले छोटे व्यवसाय जैसे कढ़ाई इकाई, बुटीक, डिजाइन स्टूडियो आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) द्वारा एपेरल, मेड–अप और होम फर्निशिंग सेक्टर के तहत जॉब रोल निम्नानुसार हैं:

01	फेब्रिक चेकर
02	इन-लाइन चेकर
03	लेयरमैन
04	माप परीक्षक
05	प्रेसमैन
06	सिलाई मशीन ऑपरेटर
07	कढ़ाई मशीन ऑपरेटर (जिगजैग मशीन)
08	निर्यात सहायक
09	फ्रेमर- कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन
10	गारमेंट कटर (सीएएम)
11	हाथ की कढ़ाई
12	गुणवत्ता मूल्यांकनकर्ता
13	नमूना करण दर्जी
14	एडवांस पैटर्न मेकर (सीएडी/सीएएम)
15	फेशन डिजाइनर
16	क्यूसी कार्यकारी- सिलाई लाइन
17	मर्चेंडाइजर
18	मशीन रखरखाव मैकेनिक (सिलाई मशीन)
19	निर्यात कार्यकारी
20	निर्यात प्रबंधक
21	सैंपल कोऑर्डिनेटर
22	औद्योगिक अभियंता (आईई) कार्यकारी
23	उत्पादन पर्यवेक्षक सिलाई
24	फैक्टरी अनुपालन लेखा परीक्षक
25	विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर
26	सहायक डिजाइनर- होम फर्निशिंग
27	सहायक डिजाइनर- मेडअप्स
28	सहायक फैशन डिजाइनर
29	बुटीक प्रबंधक
30	कटिंग सुपरवाइजर
31	फेब्रिक कटर-(परिधान निर्मित अप और होम फर्निशिंग)
32	फिनिशर
33	हाथ की कढ़ाई (अड्डावाला)
34	लाइन पर्यवेक्षक सिलाई
35	मर्चेंडाइजर-मेड-अप और होम फर्निशिंग
36	ऑनलाइन नमूना डिजाइनर
37	पैकर
38	पैटर्न मास्टर
39	प्रसंस्करण पर्यवेक्षक (रंगाई और मुद्रण)
40	रिकॉर्ड कीपर
41	स्व-नियोजित दर्जी
42	सिलाई मशीन ऑपरेटर (बुना हुआ)
43	सोर्सिंग मैनेजर
44	स्टोर कीपर
45	वाशिंग मशीन ऑपरेटर

ए.एच.एम.एफ. सेक्टर में एक महत्त्वपूर्ण जॉब रोल है– स्पेशलाइज्ड सिलाई मशीन ऑपरेटर (एस.एस.एम.ओ)। एक विशिष्ट सिलाई मशीन ऑपरेटर वह कामगार होता है, जो बिजली की मदद से तीव्र गति से चलने वाली मोटर मशीन का उपयोग विशिष्ट टांकों के लिए करता है। एक विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर विशेष सिलाई मशीन की सहायता से विभिन्न टांकों से परिधान उद्योगों में कपड़े / गारमेंट्स बनाता है।

एस.एस.एम.ओ. की भूमिका और जिम्मेदारी

विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर वह कामगार होता है जो विशेष प्रकार की सिलाई मशीन की सहायता से कपड़े की सिलाई करता है।

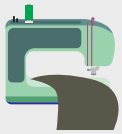

परिधान उद्योग में विशेष प्रकार की सिलाई मशीन की सहायता से कपड़े गारमेंट्स बनाए जाते है।

01

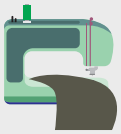

02

इस तरह की विशेष सिलाई मशीन को व उनके पार्ट्स को विशेष रखरखाव की आवश्यकता होती है।

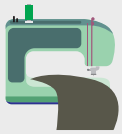

विशेष सिलाई मशीन की सहायता से विभिन्न तरह की डिजाइन पर काम किया जाता है।

03

कक्षा–11वीं

कक्षा 11वीं एवं 12वीं में जॉब रोल ऑफर किया जाता है। कक्षा 11वीं के छात्रों की पाठ्यपुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित शामिल होगाः

एक विशेष सिलाई मशीन ऑपरेटर को विशेष सिलाई मशीन का ज्ञान और उसे चलाने में कुशल होना आवश्यक है। एक मशीन ऑपरेटर को अपनी मशीन के संचालन, खराबी तथा कठिनाइयों की पूरी जानकारी होनी चाहिए क्योंकि सभी मशीनों की कार्य प्रणाली अलग–अलग होती है। एक विशेष मशीन ऑपरेटर के पास अच्छी दृष्टि, दूर दृष्टि तथा रंग दृष्टि होनी चाहिए। साथ ही मशीन की मोटर को समझने में भी कुशल होना चाहिए।

निम्न इकाईयों के माध्यम से विशेष मशीन की प्रक्रिया बताई गई है।

इकाई–1 उत्पादन प्रौद्योगिकी

फैशन उद्योग में तैयार रेडीमेड कपड़ो की मांग तेजी से बढ़ रही है। अतः मांग को देखते हुए बड़े पैमाने पर उत्पादन आवश्यक है। उत्पादन और निर्माण प्रणाली मिलकर कपड़े से परिधान तैयार किए जाते हैं। सामान्य तौर पर इस इकाई में उत्पादन प्रणाली के फायदे और नुकसान पर चर्चा की जाएगी। इस इकाई में छात्र यह भी सीखेंगे कि परिधान उद्योग में बिना रुके वस्त्र निर्माण होता रहे।

इकाई–2 औद्योगिक सिलाई मशीन - परिचय

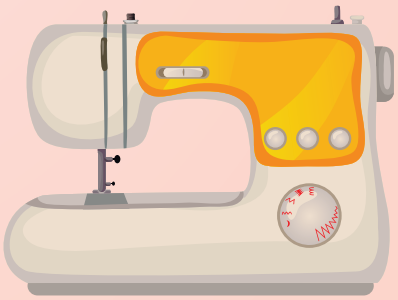

अपेरल बनाने और होम फर्निशिंग सेक्टर में औद्योगिक सिलाई मशीन बहुत महत्त्वपूर्ण और उपयोगी है। अतः इस मशीन को चलाना सिखना और उसकी कार्य प्रणाली को समझना ही इस इकाई का उद्देश्य है। एक मशीन ऑपरेटर मौजूदा सिलाई मशीन की कार्य प्रणाली को कुशलता पूर्वक समझ–सीखकर अपने कैरियर में बढ़ोतरी कर सकता है। इस इकाई में विद्यार्थी अनेक प्रकार के धागों, सुइयों का ज्ञान प्राप्त कर अनुकूल वातावरण में कार्य करना।

इकाई–3 सीम फिनिशिंग के लिए मशीनें

इस इकाई का उद्देश्य छात्रों को यह ज्ञान देना कि किस तरह मशीन से सीम फिनिशिंग कर गारमेंट्स को सुंदर बनाना। यह इकाई लॉक स्टीच और ओवर लॉक स्टीच की जानकारी भी देती है। इस इकाई में की गई चर्चा के बाद छात्र विनिर्माण (मैन्यूफैकचरिंग) के समय मशीन द्वारा सीम फिनिशिंग उचित तरीके से कर सकते है।

इकाई–4 सजावटी टांकों के लिए मशीन

कपड़े पर रचनात्मक डिजाइन तैयार करने के लिए सिलाई और एम्ब्रायडरी मशीन का उपयोग किया जाता है। इन मशीनों के उपयोग से बने आकर्षक कपड़े संस्था द्वारा दिए विज्ञापन से एक अलग पहचान बनाते हैं। साथ ही फैशन इंडस्ट्री और गारमेंट्स मेन्युफेक्चरिंग इकाई में अपैरल को खूबसूरत बनाने के साथ जिग–जेग मशीन का उपयोग एक खास उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इस इकाई में दोनों प्रकार की मशीनों की उपयोगिता और आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा की गई है।

इकाई–5 अटेचमेंट के लिए मशीनें

कपड़ा उद्योग में उच्च तकनीक वाली बटन मशीन से विभिन्न आकारों के बटन लगाए जाते हैं। इसकी उपयोग परिधान में बटन होल बनाने और किनारों को सजाने के लिए किया जाता है। ये मशीने विशेष तरह की होती है और उन्हें चलाने के लिए कुशल कार्य शैली की आवश्यकता होती है। यह इकाई इन मशीनों, उनके पार्ट, थेडिंग और संचालन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताती है।

इकाई–6 कार्यस्थल पर स्वच्छता, सफाई और रखरखाव

कार्यस्थल पर कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी उपायों पर ध्यान देना आवश्यक है। ये दोनों बिंदु किसी भी विनिर्माण इकाई या फर्म के विकास को प्रभावित कर सकते हैं। अतः इस इकाई में स्वास्थ्य और सुरक्षा के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए इस पर विस्तृत चर्चा की गई है।

कक्षा–12वीं

कक्षा 12वीं के विद्यार्थीयों की पाठ्यपुस्तक की सामग्री में निम्न लिखित शामिल है:

इकाई–1 परिधान पूर्व उत्पाद योजना प्रक्रियाओं का परिचय

परिधान की पूर्व उत्पाद योजना प्रक्रिया में स्पैक शीट और टेक पैक अभिन्न भाग है। इन सभी पहलुओं पर इस इकाई में चर्चा की गई है। स्पैक शीट वह दस्तावेज है जिसमें माप, डिजाइन और निर्माण की जानकारी होती है। टेक पैक वह व्यक्तिगत शीट होती है जिसमें कपड़ों की धुलाई के समय क्या–क्या सावधानी रखनी चाहिए इस संबंध में विस्तार से जानकारी होती है।

इकाई–2 फीड ऑफ आर्म और बार टेक मशीनें

परिधान उद्योगों में फीड ऑफ आर्म और बार टेक मशीनें उपयोगी और महत्त्वपूर्ण हैं। ये मशीनें तेजी से कार्य करने और गुणवत्ता उत्पादन में सहायक होती हैं। इस इकाई में इन दोनों मशीनों के पूर्जों और संचालन प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया है।

इकाई–3 फ्लेट लॉक, ब्लाइंड स्टीच, फिनिशिंग मशीनें व अन्य उपकरण

फ्लेट लॉक मशीन इंटरलॉक मशीन है और इसका उपयोग बुने हुए कपड़ो में किया जाता है। ब्लाइंड स्टीच मशीन का उपयोग कपड़े को मोड़ने (हेमिंग) और आमने–सामने जोड़ने (फेशिंग अटेचमेंट) के लिए किया जाता है। ये कपड़ों के किनारों को साफ और फिनिशिंग लुक प्रदान कराता है। ये इकाई विनिर्माण इंडस्ट्री में उपयोग में होने वाली इन मशीनों के प्रति जागरूक बनाती है।

इकाई–4 कार्यस्थल पर संस्थागत स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा व्यवस्था

स्वास्थ्य, बचाव और सुरक्षा किसी भी संस्था के लिए हमेशा ही चिंता के विषय रहे हैं। किसी भी अद्योगिक प्रक्रिया के अंतर्गत परिधन निर्माण प्रक्रिया जोखिम से भरी होती है। स्वास्थ्यवर्द्धक और सुरक्षित वातावरण किसी भी कर्मचारी के लिए बहुत आवश्यक होता है। इस इकाई में इन सभी कारकों की जानकारी शामिल है।

इकाई–5 सिलाई प्रक्रिया में गुणवत्ता नियंत्रण

किसी भी उत्पाद की गुणवत्ता ग्राहक को पूरी तरह से संतोष प्रदान करती है। तकनीकि शब्दावली में कह सकते हैं कि पूरी तरह अच्छी फिटिंग, अच्छा कपड़ा, अच्छी डिजाइन और गुणवत्ता से किसी गारमेंट की कीमत स्वीकार होती है। यह इकाई परिधान के दोष देखकर उन्हें दूर करना, गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारकों पर चर्चा करती है।

सिलाई मशीन ऑपरेटर कोर्स पूरा होने के बाद निम्नलिखित क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है:

वैतनिक रोजगार

1. एक्सपोर्ट / बाइंग हाऊॅस में एम्ब्रायडर के तौर पर कार्य करना
2. विशिष्ट सिलाई मशीन ऑपरेटर एक्सपोर्ट / बाइंग हाऊॅस में बटन होल मेकर के रूप में कार्य कर सकता है
3. बुनाई विशेषज्ञ के रूप में कार्य करना
4. अपेरल इंडस्ट्री में मशीन सुधारक के रूप में कार्य करना

स्व-रोजगार

1. स्वतंत्र रूप से / स्वरोजगार द्वारा बुनकर, एम्ब्रायडर, बटन लगाना, फिनिशिंग कार्य करना
2. टेलरिंग और सिलाई मशीन का व्यापार

प्रशिक्षण

- सरकारी और गैर सरकारी प्रशिक्षण केंद्र
- सरकारी और गैर सरकारी एक्सपोर्ट / बायिंग / डिजाइन हाउस द्वारा प्रशिक्षण
- सरकारी और गैर सरकारी अपेरल इंडस्ट्री द्वारा प्रशिक्षण देना

PSSCIVE के बारे में

पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन (पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई.) व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है। यह शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत [पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.)], भारत सरकार द्वारा 1993 में स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) की एक घटक इकाई है। यह भारत में यू.एन.ई.वी.ओ.सी. (तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परियोजना) का नेटवर्क केंद्र भी है। संस्थान के पास विभिन्न विषयों के लिए बनाए गए विभागों के साथ 35–एकड़ में बना हुआ परिसर है। यहाँ पर कृषि और पशुपालन, व्यापार और वाणिज्य, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और पैरामेडिकल विज्ञान, गृह विज्ञान और आतिथ्य प्रबंधन और मानविकी विज्ञान, की शिक्षा और अनुसंधान का कार्य होता हैं।

संस्थान व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता–प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती हैं। संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु उच्च योग्य प्रशिक्षकों की टीम हैं, जो कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट पेशेवर कौशल और अनुभव रखते हैं।

संस्थान ने व्यावसायिक शिक्षा में तेजी से विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है, उद्योग की बदलती जरूरतों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया और कई बार व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए है। पिछले 25 वर्षों में संस्थान के विकास ने विभिन्न चुनौतियों का सामना किया हैं, लेकिन ये नए क्षितिज का पता लगाने और स्थानीय और वैश्विक कैनवास पर लोगों की कौशल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतियों को फिर से तैयार करने की संभावनाओं एवं अवसरों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

संयुक्त निदेशक
पं.सुं.श. केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान
श्यामला हिल्स, भोपाल – 462002, मध्यप्रदेश, भारत
फो.: +91 755 2660691 | फेक्स: +91 755 2927347, 2660580
ईमेल : jd@psscive.ac.in
www.psscive.ac.in | www.ncert2021.psscive.in